

SHRI JAGDISH PRASAD PAREEK

Shri Jagdish Prasad Pareek is a versatile, influential and progressive farmer who has dedicated himself for more than five decades for Organic farming and loved earth worm more than his own children. His dedicated affection has engaged his whole family in Organic farming. Consequently he has established a record with bumper production in vegetables like cauliflower, bottle gourd, brinjal, pumpkin, cabbage, chilly, broccoli, ridge gourd etc.

2. Born on 04 February 1949, Shri Pareek passed his higher secondary exam in 1975. Along with farming, he is also doing animal husbandary. By rearing cows and buffaloes he is providing 50-60 liters milk per day to state Saras dairy.

3. Shri Pareek is also doing organic production of fruits like – lemon, pomegranate, cranberry, sweet lemon and wood apple (bael). The method of vermi-culture between the space of fruit plants is appreciable. He has maintained the favorable condition for his earth worms in his farm during the unfavorable climate of state. He has done remarkable efforts for rainwater harvesting and preservation. Unlike other farmers, he do not dig his wells deep but recharge them with rain water. Shri Pareek is communicating his knowledge and experience through Akashwani and Doordarshan broadcasting, in the interest of other farmers since 1990.

4. Shri Pareek has achieved many awards at tehsil, district, block and state as well as national level. His name is registered in Limca Book of Records for record production in Cauliflower in 2001. Shri Pareek has been awarded for his remarkable achievements in agricultural activities by State Agriculture Universities and other State Universities like Agriculture University, Hisar and IIM, Ahmedabad. He has also been awarded by NIF, Ahmedabad as “First Grassroots Technological Innovation and Traditional Knowledge Award” in 2001, Bhartiya Kisan Sangh, Kisan Vigyanik Samman by state of Rajasthan in 2018, “Krishi Gaurav Purusakar 2018” by Rastriya Krishi Patrakarita Sangh Gandhinagar, “State Technology Award 2003” by Rajasthan Government, and “Kisan Vigyanik Award 2017” by MAU University, Jodhpur.

पद्म श्री



श्री जगदीश प्रसाद पारीक

श्री जगदीश प्रसाद पारीक पुत्र स्वर्गीय श्री मंगी लाल पारीक एक बहुमुखी, प्रभावशाली और प्रगतिशील किसान हैं, आपने पिछले पांच दशकों से अधिक समय से स्वयं को जैविक खेती के प्रति समर्पित किया है और केचुओं को अपनी संतान से अधिक प्यार किया है। आपके इस अनुराग ने आपके पूरे परिवार को भी जैविक खेती से जोड़ दिया है। आपने फूल गोभी, लौकी, बैंगन, कद्दू, पत्तागोभी, मिर्च, ब्रोकली, तुरई आदि सब्जियों के बम्पर उत्पादन का रिकॉर्ड स्थापित किया है।

2. आपका जन्म 04 फरवरी, 1949 मेंहुआथा। वर्ष 1975 में आपने हायर सेकण्डरी की परीक्षा उत्तीर्ण की। आप खेती के साथ-साथ पशुपालन भी कर रहे हैं। गाय और भैंस पालन के जरिए आप राज्य की सरस डेयरी को प्रतिदिन 50-60 लीटर दूध उपलब्ध करा रहे हैं।

3. आप फलों जैसे नींबू, अनार, करौंदा, मौसमी और बेल का भी जैविक उत्पादन कर रहे हैं। फलों के वृक्षों के बीच की खाली जगह में कृमि संवर्धन करने की प्रणाली प्रशंसनीय है। आपने राज्य की प्रतिकूल जलवायु के दौरान भी अपने खेतों में केंचुओं के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनाए रखी हैं। आपने वर्षा जल संग्रहण और संरक्षण के जरिए अद्भुत प्रयास किये हैं। अन्य किसानों के विपरीत आप अपने कुओं को गहरा नहीं खोदते हैं बल्कि उन्हें वर्षा-जल से रिचार्ज करते हैं। आप वर्ष 1990 से आकाशवाणी और दूरदर्शन प्रसारण के माध्यम से अन्य किसानों के कल्याण हेतु अपना ज्ञान साझा कर रहे हैं।

4. आपको तहसील, जनपद, ब्लॉक और राज्य के साथ ही राष्ट्रीय स्तर पर अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। वर्ष 2001 में फूलगोभी के रिकॉर्ड उत्पादन के लिए आपका नाम लिमका बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज है। आपको कृषि क्षेत्र में आपकी उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए राजकीय कृषि विश्वविद्यालयों और कृषि विश्वविद्यालय, हिसार और आईआईएम अहमदाबाद जैसे अन्य राजकीय विश्वविद्यालयों द्वारा सम्मानित किया गया है। आपको वर्ष 2001 में एनआईएफ द्वारा "फर्स्टग्रासरूट टेक्नोलॉजी इनोवेशन एण्ड ट्रेडिशनल नॉलेज अवॉर्ड", वर्ष 2018 में राजस्थान राज्य द्वारा भारतीय किसान संघ,कृषि वैज्ञानिक सम्मान, राष्ट्रीय कृषि पत्रकारिता संघ, गांधी नगर द्वारा "कृषि गौरव पुरस्कार 2018" राजस्थान सरकार द्वारा "स्टेट टेक्नॉलजी अवार्ड 2003" एमएयू विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा "किसान वैज्ञानिक सम्मान 2017" से भी अलंकृत किया गया है।